Activities conducted under EBSB for the month of August, 2020

L.N.D. College, Motihari

East Champaran, Bihar-845401
(A constituent Unit of B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur)
NAAC accredited by B+

Sl. No.	Name of the College	Name of Activities undertaken	Date	No. of participants	Remarks
1.	Laxmi Narayan Dubey College, Motihari	1. Road safety Programme by NCC cadets	4th August,2020	20	Successful
		2. Independence Day Celebration	15th August,2020	50	Successful
		3. National Webinar on"Bihar: A National Heritage of Pride"	29th August,2020	55	Successful

Some glimpses and newspaper reports on the events are showing below:

आयोजन. एलएनडी कॉलेज में आइक्यूएसी की राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी

देश को पहचान दिलाने में बिहार की भूमिका अहम

प्रतिनिधि ▷ मोतिहारी

एलएनडी कॉलेज में शनिवार को आंतरिक गुणवत्ता निश्चय प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी आयोजित की गई. वेब संगोष्ठी का विषय 'बिहार ए नेशनल हेरिटेज ऑफ प्राइड, बिहार 'गौरव का एक राष्ट्रीय धरोहर' था. कार्यक्रम की शुरुआत वेब संगोष्ठी के अध्यक्ष सह प्राचार्य प्रो. (डॉ) अरुण कुमार ने की. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश, नेपाल और झारखंड से घिरे हुए 94163 वर्ग किमी का एक खूबसूरत प्रदेश बिहार, गौरवशाली इतिहास एवं संपन्न विरासत से परिपूर्ण है. बिहार के महान विभूतियों, धर्म, विज्ञान, दर्शन, राजनीति, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, भाषा, भूषा एवं व्यंजन से वैश्विक स्तर पर राष्ट्र को एक विशिष्ट पहचान मिली है. स्नात्तकोत्तर हिंदी विभागाध्यक्ष सह निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, बीआरएबीयू प्रो. (डॉ) सतीश कुमार राय ने कहा कि याज्ञबल्कय, मंडन मिश्र, भारती, मैत्रेयी, कात्यायनी, गोपाल सिंह नेपाली एवं रामधारी सिंह दिनकर, नागार्जुन एवं फणीश्वरनाथ रेणु जैसे तेजस्वी, यशस्वी व ओजस्वी सपूतों को अपनी मिट्टी में जन्म देकर यह प्रदेश सदा गौरवान्वित रहा है. सेवानिवृत्त प्राध्यापक, इतिहास विभाग, एमएस कॉलेज के प्रो. (डॉ) राजेश रंजन वर्मा ने कहा कि जनक, जरासंध, कर्ण, सीता, आचार्य मनु, कौटिल्य, चंद्रगुप्त मौर्य, अशोक, बिंदुसार व बिंबिसार से लेकर बाबू कुंवर सिंह व बाबू राजेंद्र प्रसाद जैसे महापुरुषों का यह प्रदेश इतिहास, संस्कृति और सभ्यता काफी समृद्ध है. नालंदा विश्वविद्यालय एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय जैसी विरासत पर व्याख्यान देते हुए उन्होंने वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य को भी रेखांकित किया. उन्होंने देश के स्वाधीनता संग्राम में बापू के चंपारण सत्याग्रह पर भी विस्तृत व्याख्यान दिया. यहां की परंपरा यहां के लोगों के खून में बसती है. डॉ पिनाकी लाहा ने कहा कि बिहारी सभ्यता व संस्कृति की जड़ें इतनी गहरी है कि तकनीकी बदलाव के बावजूद हजारों वर्ष पुरानी परंपराएं आज भी जीवित हैं. प्रो. दुर्गेशमणि तिवारी ने कहा कि सद्भावना, सहनशीलता व सह-अस्तित्व राज्य की संस्कृति के अभिन्न अंग हैं. सहायक प्राध्यापक डॉ सर्वेश दुबे द्वारा आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया. इस मौके पर मीडिया प्रभारी डॉ कुमार राकेश रंजन, डॉ सुबोध कुमार, डॉ राजेश कुमार सिन्हा, प्रो. राकेश रंजन कुमार, प्रो. अरविंद कुमार, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ राधेश्याम, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ जौवाद हुसैन व प्राध्यापकों में प्रो. रामप्रवेश, डॉ बबलू ठाकुर, डॉ रीना, डॉ नीलमणि, डॉ नीरज कुमार, प्रो. प्रीति प्रिया, प्रो. जयपाल कुमार, प्रो. वरुण कुमार ठाकुर तथा शिक्षकेतर कर्मियों में प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं.

तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

मोतिहारी. डॉ एसके सिन्हा महिला कॉलेज व रामवृक्ष बेनीपुरी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला शुरू हुई. कार्यशाला का विषय बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रोबोटिक्स था. कार्यक्रम का उद्घाटन महिला कॉलेज की प्राचार्या डॉ चंचल रानी ने किया. रामवृक्ष बेनीपुरी कॉलेज की प्राचार्या प्रो. ममता रानी ने तकनीकी एवं अनुसंधान पर रचनात्मक कार्यों पर प्रकाश डाला. साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम का आयोजन छात्रों के लिए आवश्यक है. डॉ चंचल रानी ने कार्यशाला में भाग ले रहे छात्राओं को प्रेरित किया. बताया कि कार्यशाला के सभी सत्रों में उपस्थित होकर इसके उद्देश्य को सार्थक बनाना आप सभी की जिम्मेवारी है. कार्यक्रम का संचालन भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ मनीषा वाजपेयी एवं रामवृक्ष बेनीपुरी कॉलेज मुजफ्फरपुर के विभागाध्यक्ष डॉ राखी मलिक ने किया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ अपूर्व कुमार व डॉ सीके पांडेय ने किया. कार्यशाला में भौतिकी विभाग के प्रतिभागी शामिल हुए.

बिहार सरकार

प्रभात खबर Sun, 30 August 2020
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/54584566

दैनिक भास्कर

मोतीहारी 31-08-2020

यशस्वी व ओजस्वी सपूतों को देकर सदा गौरवान्वित रहा अपना प्रदेश : प्रो. सतीश

एलएनडी कॉलेज में आईक्यूएसी की ओर से राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी हुई

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी आयोजित की गई। एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत आयोजित वेब संगोष्ठी का विषय बिहार : ए नेशनल हेरिटेज ऑफ प्राइड था। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार ने किया।

बीआरए बिहार विवि के हिंदी विभागाध्यक्ष और दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. सतीश कुमार राय ने कहा कि याज्ञवल्क्य, मंडन मिश्र, भारती, मैत्रेयी, कात्यायनी, गोपाल सिंह नेपाली एवं रामधारी सिंह दिनकर, नागार्जुन एवं फणीश्वरनाथ रेणु जैसे तेजस्वी, यशस्वी व ओजस्वी सपूतों को अपनी मिट्टी में जन्म देकर यह प्रदेश सदा गौरवान्वित रहा है। उन्होंने इन साहित्यकारों की अनुपम साहित्यिक कृतियों पर प्रकाश डाला। बताया कि यह प्रदेश प्राचीनकाल से लेकर आधुनिक काल तक सदा देश को दिशा दिखाता रहा है।

उन्होंने बिहार की सर्वतोन्मुखी प्रगति के लिए अपनी शुभेच्छा भी व्यक्त की। इतिहासकार प्रो. राजेश रंजन वर्मा ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि जनक, जरासंध, कर्ण, सीता, आचार्य मनु, कौटिल्य, चन्द्रगुप्त मौर्य, अशोक, बिंदुसार व बिम्बिसार से लेकर बाबू कुंवर सिंह व बाबू राजेन्द्र प्रसाद जैसे महापुरुषों का यह प्रदेश इतिहास, संस्कृति और सभ्यता काफी समृद्ध है। नालंदा विश्वविद्यालय एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय जैसी विरासत पर व्याख्यान देते हुए उन्होंने वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य को भी रेखांकित किया।

बिहारी सभ्यता व संस्कृति की जड़ें गहरी : डॉ. लाहा

डॉ. पिनाकी लाहा ने कहा कि बिहारी सभ्यता व संस्कृति की जड़ें इतनी गहरी है कि तकनीकी बदलाव के बावजूद हजारों वर्ष पुरानी परम्पराएं आज भी जीवित हैं। सत्र के सह संयोजक सह कार्यक्रम पदाधिकारी, एनएसएस दुर्गेशमणि तिवारी ने कहा कि सद्भावना, सहनशीलता व सह अस्तित्व राज्य की संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। संगोष्ठी में डॉ. सर्वेश दुबे, डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. राजेश कुमार सिन्हा, प्रो. राकेश रंजन कुमार, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. राधेश्याम, डॉ. जौवाद हुसैन व अतिथि प्राध्यापकों में प्रो. रामप्रवेश, डॉ. बबलू ठाकुर, डॉ. रीना, डॉ. नीलमणि, डॉ. नीरज कुमार आदि मौजूद थे।

एलएनडी कॉलेज में आईक्यूएसी की राष्ट्रीय बेब संगोष्ठी संपन्न

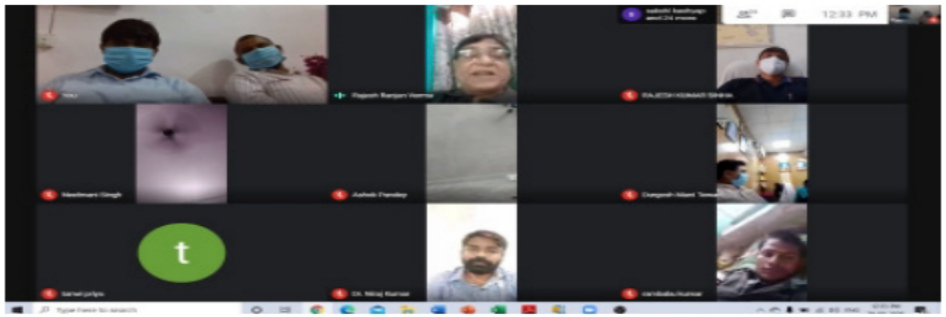

कुमार तेजस्वी

मोतिहारी। ऑनलाइन बेब संगोष्ठी मासिक श्रृंखलाओं की गतिशीलता में शनिवार को लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय, मोतिहारी में आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय बेब संगोष्ठी आयोजित की गई। बेब संगोष्ठी का विषय बिहारः ए नेशनल हेरिटेज ऑफ प्राइड (बिहारः गौरव का एक राष्ट्रीय धरोहर) था। कार्यक्रम के प्रारंभ में वेब संगोष्ठी के अध्यक्ष–सह–प्राचार्य प्रो. (डॉ.)अरुण कुमार ने सम्मानित वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, नेपाल और झारखंड से घिरे हुए 94163 वर्ग कि.मी. का एक खूबसूरत प्रदेश बिहार , गौरवशाली इतिहास एवं संपन्न विरासत से परिपूर्ण है।

यह भारत को विश्व के सांस्कृतिक पटल पर लाने में सदा अग्रणी रहा है। बिहार के महान विभूतियों, धर्म, विज्ञान, दर्शन, राजनीति, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, भाषा, भूषा एवं व्यंजन से वैश्विक स्तर पर राष्ट्र को एक विशिष्ट पहचान मिली है। प्रख्यात वक्ता स्नात्तकोत्तर हिंदी विभागाध्यक्ष–सह–निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, बीआरएबीयू प्रो.(डॉ.) सतीश कुमार राय ने कहा कि याज्ञबल्कय, मण्डन मिश्र, भारती, मैत्रेयी, कात्यायनी, गोपाल सिंह नेपाली एवं रामधारी सिंह दिनकर, नागार्जुन एवं फणीश्वरनाथ रेणू जैसे तेजस्वी, यशस्वी व ओजस्वी सपुतों को अपनी मिट्टी में जन्म देकर यह प्रदेश सदा गौरवान्वित रहा है। उन्होंने इन साहित्यकारों की अनुपम साहित्यिक कृतियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह प्रदेश प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक सदा देश को दिशा दिखाती रही है। उन्होंने बिहार की सर्वतोन्मुखी प्रगति के लिए अपनी शुभेच्छा भी व्यक्त की। प्रख्यात इतिहासकार एवं सेवानिवृत्त प्राध्यापक, इतिहास विभाग, एमएस कॉलेज मोतिहारी के प्रो.(डॉ.) राजेश रंजन वर्मा ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि जनक, जरासंध, कर्ण, सीता, आचार्य मनु, कौटिल्य, चन्द्रगुप्त मौर्य, अशोक, बिंदुसार व बिम्बिसार से लेकर बाबू कुंवर सिंह व बाबू राजेन्द्र प्रसाद जैसे महापुरुषों का यह प्रदेश इतिहास, संस्कृति और सभ्यता काफी समृद्ध है। नालंदा विश्वविद्यालय एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय जैसी विरासत पर व्याख्यान देते हुए उन्होंने वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य को भी रेखांकित किया। उन्होंने देश के स्वाधीनता संग्राम में बापू के चंपारण सत्याग्रह पर भी विस्तृत व्याख्यान दिया। यहां की परम्परा यहां के लोगों के खून में बसती है।

आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ के समन्वयक– सह–संयोजक डॉ.पिनाकी लाहा ने कहा कि बिहारी सभ्यता व संस्कृति की जड़ें इतनी गहरी है कि तकनीकी बदलाव के बावजूद हजारों वर्ष पुरानी परम्पराएं आज भी जीवित हैं। सत्र के सह संयोजक–सह–कार्यक्रम पदाधिकारी, एनएसएस दुर्गेशमणि तिवारी ने कहा कि सद्भावना, सहनशीलता व सह–अस्तित्व राज्य की संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। सत्रांत में सम्मानित वक्ताओं को कुशल, बहुमूल्य एवं विवेकपूर्ण मार्गदर्शन हेतु भौतिकी के सहायक प्राध्यापक डॉ. सर्वेश दुबे द्वारा आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मीडिया प्रभारी डॉ.कुमार राकेश रंजन ने संवाद प्रेषित करते हुए कहा बेरोजगारी, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, सुखाड़ और पलायन जैसे उबड़–खाबड़ रास्तों पर चलकर भी यह प्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखा है। ऑनलाइन संगोष्ठी में महाविद्यालय के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ.सुबोध कुमार, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ.राजेश कुमार सिन्हा, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो.राकेश रंजन कुमार, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.राधेश्याम, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ.जौवाद हुसैन व अतिथि प्राध्यापकों में प्रो.रामप्रवेश, डॉ.बब्लु ठाकुर, डॉ. रीना, डॉ.नीलमणि डॉ.नीरज कुमार, प्रो. प्रीति प्रिया, प्रो.जयपाल कुमार, प्रो.वरूण कु.ठाकुर तथा शिक्षकेतर कर्मियों में प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण सहित सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

एलएनडी कॉलेज में राष्ट्रीय बेब संगोष्ठी संपन्न

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। ऑनलाइन बेब संगोष्ठी मासिक श्रृंखलाओं की गतिशीलता में शनिवार को शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय बेब संगोष्ठी आयोजित की गई। एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना अभिपुष्टिकरण की दिशा में बेब संगोष्ठी का विषय बिहार: ए नेशनल हेरिटेज ऑफ प्राइड (बिहार: गौरव का एक राष्ट्रीय धरोहर) था। कार्यक्रम के प्रारंभ में वेब संगोष्ठी के अध्यक्ष-सह-प्राचार्य प्रो. (डॉ.)अरुण कुमार ने सम्मानित वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, नेपाल और झारखंड से घिरे हुए 94163 वर्ग कि.मी. का एक खूबसूरत प्रदेश बिहार, गौरवशाली इतिहास एवं संपन्न विरासत से परिपूर्ण है। यह भारत को विश्व के सांस्कृतिक पटल पर लाने में सदा अग्रणी रहा है। बिहार के महान विभूतियों, धर्म, विज्ञान, दर्शन, राजनीति, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, भाषा, भूषा एवं व्यंजन से वैश्विक स्तर पर राष्ट्र को एक विशिष्ट पहचान मिली है। प्रख्यात वक्ता स्नातकोत्तर हिंदी विभागाध्यक्ष-सह-निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, बीआरएबीयू प्रो.(डॉ.) सतीश कुमार राय ने कहा कि याज्ञवल्क्य, मण्डन मिश्र, भारती, मैत्रेयी, कात्यायनी, गोपाल सिंह नेपाली एवं रामधारी सिंह दिनकर, नागार्जुन एवं फणीश्वरनाथ रेणू जैसे तेजस्वी, यशस्वी व ओजस्वी सपुतों को अपनी मिट्टी में जन्म देकर यह प्रदेश सदा गौरवान्वित रहा है। प्रख्यात इतिहासकार एमएस कॉलेज मोतिहारी के प्रो.(डॉ.) राजेश रंजन वर्मा ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि जनक, जरासंध, कर्ण, सीता, आचार्य मनु, कौटिल्य, चन्द्रगुप्त मौर्य, अशोक, बिंदुसार व बिम्बिसार से लेकर बाबू कुंवर सिंह व बाबू राजेन्द्र प्रसाद जैसे महापुरुषों का यह प्रदेश इतिहास, संस्कृति और सभ्यता काफी समृद्ध है। नालंदा विश्वविद्यालय एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय जैसी विरासत पर व्याख्यान देते हुए उन्होंने वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य को भी रेखांकित किया। आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ के समन्वयक- सह-संयोजक डॉ.पिनाकी लाहा ने कहा कि बिहारी सभ्यता व संस्कृति की जड़ें इतनी गहरी है कि तकनीकी बदलाव के बावजूद हजारों वर्ष पुरानी परम्पराएं आज भी जीवित हैं। सत्र के सह संयोजक-सह-कार्यक्रम पदाधिकारी, एनएसएस दुर्गेशमणि तिवारी ने कहा कि सद्भावना, सहनशीलता व सह-अस्तित्व राज्य की संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। सत्रांत में सम्मानित वक्ताओं को कुशल, बहुमूल्य एवं विवेकपूर्ण मार्गदर्शन हेतु औतिकी के सहायक प्राध्यापक डॉ. सर्वेश दुबे द्वारा आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मीडिया प्रभारी डॉ.कुमार राकेश रंजन ने कहा बेरोजगारी, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, सुखाड़ और पलायन जैसे उबड़-खाबड़ रास्तों पर चलकर भी यह प्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखा है। ऑनलाइन संगोष्ठी में महाविद्यालय के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ.सुबोध कुमार, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ.राजेश कुमार सिन्हा, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो.राकेश रंजन कुमार, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.अरविंद कुमार, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.राधेश्याम, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ.जौवाद हुसैन व अतिथि प्राध्यापकों में प्रो.रामप्रवेश, डॉ.बब्लु ठाकुर, डॉ.रीना,डॉ.नीलमणि, डॉ.नीरज कुमार, प्रो.प्रीति प्रिया, प्रो.जयपाल कुमार, प्रो.वरुण कु.ठाकुर तथा शिक्षकेतर कर्मियों में प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

Independence Day Celebration